क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 328, शुक्रवार, 28 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

शिवसेना सांसद ने की राम मंदिर के लिए विधेयक लाने की मांग

नयी दिल्ली एजेंसी। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने लोकसभा में तीन तलाक पर चर्चा के दौरान गुरुवार को राम मंदिर का मुद्दा उठाते हुये सरकार से इस पर विधेयक लाकर मंदिर निमार्ण की मांग की। सावंत ने कहा कि जिस तरह यह सरकार धार्मिक मामलों में आगे बढ़ रही है, अच्छा लगता है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में चुनाव के समय हमने कुछ और भी वचन दिये हैं। उन्होंने कहा हर मामले में उच्चतम न्यायालय मार्गदर्शन करता है और उसके बाद हम उसमें कुछ बदलाव कर कानून बनाते हैं। उसकी प्रकार उच्चतम न्यायालय कहेगा कि राम मंदिर निर्माण ऐसा मामला नहीं है जिस पर तुरंत कार्रवाई की जाये, लेकिन आप (कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद) से अपेक्षा है कि आप फिर भी इस पर विधेयक लायेंगे।

रेलवे में निकली 14000 से ज्यादा भर्तियां, जानें सभी जरूरी बातें

पटना। रेलवे भर्ती बोर्ड ने 14033 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगा है। ये नियुक्तियां देशभर के 21 रेलवे बोर्ड के जरिये होंगी। इनमें सबसे अधिक जूनियर इंजीनियर के 13034 पदों पर नियुक्ति होगी। वहीं जूनियर इंजीनियर (आईटी) के लिए 49 पद, डिपोट मैटेरियल सुपरिटेंडेंट के लिए 456 पद और केमिकल असिस्टेंट के लिए 494 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया दो जनवरी से शुरू होगी। अभ्यर्थी 31 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। उम्र सीमा 18 वर्ष से 33 वर्ष तय की गई है। सामान्य श्रेणी और ओबीसी के छात्र-छात्राओं के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये और एससी-एसटी के लिए 250 रुपये है।

कैसे करें आवेदन:

इन पदों के लिए आवेदन रेलवे रिक्रूटमेंट की वेबसाइट से किया जा सकेगा। आरआरबी की रीजनल रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की वेबसाइट पर भी भर्ती का लिंक दिया जाएगा। उम्मीदवारों के चयन के लिए 2 स्टेज में कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल एग्जाम होगा। आवेदन शुल्क:इन पदों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये रखा गया है। वहीं आरक्षित वर्ग के लिए शुल्क 250 रुपये रखा गया है।

यहां मालखाने को चूहों ने बनाया मयखाना, गटक गए 750 लीटर देशी दारू

बरेली। हरिवंश राय बच्चन की 'मधुशाला' ने न जाने कितने झरोखों में झांका...न जाने कितने तवों का सामना किया...न जाने कैसे-कैसे आरोप झेले...पर इस बार तो हद हो गई...उत्तर प्रदेश के चूहों ने तो 'मधुशाला' की समग्रता को ही कुतर दिया. पियक्कड़ चूहों ने पुलिस की सारी सिक्योरिटी कुतर डाली। मालखाने के बाहर पुलिस का सख्त पहरा था और अंदर रखी थी देसी शराब। चूहे जुगत लगाकर अंदर घुस गए। बाहर पुलिस मालखाने की रखवाली करती रही और अंदर चलती रही चूहों की दारू पार्टी। उत्तर प्रदेश के बरेली में 750 लीटर शराब गटककर चूहों की फौज रफूचक्कर हो गई। कैंट पुलिस ने जब मालखाना खोला तो कुतरे हुए गैलन और केन देखकर हक्कीबक्की रह गई। यह शराब कई मुकदमों में बरामदगी का सामान था। यह अनूठा मामला है कैंट थाने का, जहां मालखाने में पुलिस ने मुकदमों में बरामद कच्ची शराब गैलन और केन में रखा था।

अगरतला (त्रिपुरा) में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम ''हार्मोनी-2018' में बुधवार को परफार्म करतीं इंडोनेशिया की एक कलाकार।

प्रतापगढ़ जेल के हेडवार्डन को बाइक सवार बदमाशों ने सरे बाजार गोलियों से भूनां

प्रतापगढ़। बाइक सवार युवकों ने सब्जी खरीद रहे जेल के हेडवार्डन की गोली मारकर हत्या कर दी। इस दुस्साहसिक वारदात की खबर फैलते ही हड़कम्प मच गया। एएसपी घटनास्थल पहुंचे तो एसपी जेल पहुंचकर पूछताछ करने लगे। लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र के पूरे अहिया निगोहा निवासी हरि नारायन त्रिवेदी (55) प्रतापगढ़ जिला जेल में हेडवार्डेन के पद पर तैनात थे। दो दिन के अवकाश के बाद गुरुवार को ही वह घर से आए थे। दिन में करीब सवा तीन बजे वह सब्जी खरीदने जेल से बाहर निकले। जेल रोड क्रॉसिंग से कुछ कदम पूरब दिशा में मछली की दुकान के पास सड़क पर लगे ठेले के बगल खड़े होकर वह सब्जी खरीद रहे थे। इसी बीच रेलवे क्रॉसिंग की ओर से काले रंग की पल्सर बाइक से दो बदमाश पहुंचे। पीछे बैठे बदमाश ने दोनों हाथ में पिस्टल निकाली और हरि नारायन पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां मारीं। हरि नारायन गिर पड़े तो बदमाश पिस्टल लहराते हुए रखहा वाली रोड पर भाग निकले। कुछ कदम दूर जाते ही बदमाशों ने फिर दो राउंड हवाई फायरिंग की और तेजी से निकल गए। फायरिंग देख आसपास के दुकानदार दुकानें छोड़कर भाग निकले। बदमाशों के जाने के बाद जुटी राहगीरों व स्थानीय लोगों की भीड़ ने वहां से गुजर रहे कार सवार को रोका और उसी पर बिठाकर हरि नारायन को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जेल के हेडवार्डन की हत्या की खबर मिलते ही क्राइम ब्रांच की इंटेलिजेंस विंग व स्वॉट टीम के साथ एएसपी अवनीश मिश्र घटनास्थल पर पहुंच गए। घटनास्थल पर पुलिस को पिस्टल का एक खोखा भी मिला जिसके बारे में पुलिस पता लगा रही है कि खोखा नाइन एमएम का है या 0.32 बोर का। जेल के भीतर से घटनास्थल तक पूछताछ के बाद भी हत्या की वजह साफ नहीं हो पाई।

बकाया शुल्क 800 रुपये जमा करने की जिद की, पिता ने कर दी गला दबा हत्या

बस्ती। स्कूल में पढ़ने के लिए फीस जमा करने की जिद एक पिता को इतनी नागवार गुजरी कि उसने अपनी ही बेटी की हत्या कर दी।

गला दबाने के बाद बेटी के शव को उसके अपने साले की मदद से कुआनो नदी में फेंक दिया था। लालगंज थाना क्षेत्र के इस ब्लाइंड मर्डर में पुलिस ने शव की शिनाख्त कर खुलासा किया तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई।

पुलिस कार्यालय में एसपी दिलीप कुमार ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए बताया कि संतकबीरनगर के हरेराम राय इंटर कॉलेज में कक्षा 7 की छात्रा चंचल की 1600 रुपए स्कूल फीस बकाया थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी पिता विजय कुमार ने बताया कि वह ऑटो रिक्शा चलाता है।

29 नवंबर को चंचल स्कूल से आई और बोली कि उसकी फीस बकाया और जमा न किया तो नाम काट दिया जाएगा।

30 नवंबर को विजय कुमार स्कूल गया और 1600 में से 800 रुपए फीस के जमा कर आया। इसी दिन स्कूल से आने के बाद चंचल ने स्कूल में आधी फीस जमा करने पर नाराजगी जताने लगी। इस बात पर विजय कुमार इतना भड़क गया कि उसने चंचल का गला ही दबा दिया। तीन सप्ताह के अंदर इंस्पेक्टर लालगंज ने हत्याकांड का खुलासा कर सराहनीय कार्य किया है।

कांग्रेस से कर सकते हैं गठबंधन : शिवपाल

अखिलेश छोड़ेंगे साथ तो शिवपाल थामेंगे हाथ

बरेली। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए वह कांग्रेस से भी गठबंधन कर सकते हैं। शिवपाल मंगलवार को कस्बा फरीदपुर में पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावनाओं को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस से भी गठबंधन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनका संगठन 75 जिलों में है। पार्टी ने तय कर लिया है कि प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ना है और भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ना है। लोकसभा चुनाव में सपा अब कांग्रेस के साथ समझौता नहीं करेगी। दरअसल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मध्य प्रदेश में उनके विधायक को मंत्री नहीं बनाए जाने से नाराज हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के खिलाफ उत्तर प्रदेश में बनने जा रहा गठबंधन गैर-कांग्रेसी होगा। उधर, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए वह कांग्रेस से गठबंधन कर सकते हैं।

अखिलेश यादव बुधवार को पत्रकारो से बातचीत में कहा कि हमने मध्य प्रदेश में कांग्रेस को बिना शर्त समर्थन दिया है, फिर भी कांग्रेस ने हमारे विधायक को मंत्री नहीं बनाया। ऐसी हरकत कर कांग्रेस ने यूपी में हमारा रास्ता साफ कर दिया है। अखिलेश ने समान विचारधारा वाले सियासी दलों का गठबंधन बनाने की दिशा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह उनसे मुलाकात के लिए हैदराबाद जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह देश में भाजपा के खिलाफ एक ''फेडरल फ्रंट'' बनाने की कोशिशों के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री राव को बधाई देते हैं। उनकी राव से बात हुई थी और 25 या 26 दिसम्बर को उनसे मुलाकात भी होनी थी। अब वह दोबारा उनसे समय मागेंगे। वह खुद राव से मिलने के लिए हैदराबाद जाएंगे। उन्होंने कहा, राव का प्रयास है कि किस तरह एक फेडरल फ्रंट बने। आने वाले समय में मैं उनसे जरूर मिलूंगा। कांग्रेस की अगुवाई में गठबंधन बनाने की कोशिशों से सपा और बसपा अब तक किनारा करती नजर आई हैं।

स्वास्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय जुटा रणनीति बनाने में

बाल मृत्यु दर की रफ्तार पर लगेगा अंकुश

चिकित्सा व्यय को प्लान वेलने सेंटर में प्रसूति सुविधा, टीकाकरण की वर्तमान सुविधा में होगा सुधार

नई दिल्ली एजेंसी। 24 राज्यों ने योजना में भागीदार करने की दे चुके हैं स्वीकृतिनवजात बच्चों की मौतें रोकने के लिए गुणवत्ता वाली और सस्ती देखभाल मिलना आवश्यक हैहर किसी को स्वास्य देखभाल के लिए मासिक बचत का एक स्पष्ट लक्ष्य पर होगा जोर केंद्रीय स्वास्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय अब बाल मृत्यु दर की रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए रणनीति तैयार कर रहा है। जिसके तहत सभी राज्यों के वेलनेस सेंटर्स में परिवार नियोजन और स्त्री एवं प्रसूति केंद्रों की स्थिति में प्रथम दर्जे की सुविधा स्थापित की जाएगी। इस मद में सभी राज्यों को अतिरिक्त बजट की राशि दी जाएगी। केंद्रीय स्वास्य सचिव प्रीति सूदॉन ने कहा कि सरकार ने अब तक 24 राज्यों से इस मद में राशि बढ़ाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर चुका है। वर्ष 2019 नए साल में इस लागू करने की रणनीति तैयार की जाएगी। उम्मीद है कि मार्च 2019 तक इस योजना का लाभ राज्यवार वेलनेस सेंटर्स में मिलना प्रारंभ हो जाएगा। जहां पर अभी तक वेलनेस सेंटर नहीं स्थापित किए जा सके हैं उन राज्यों के जिला अस्पतालों को अपग्रेड किया जाएगा।

दरकार क्यों: करीब 3 करोड़ नवजात शिशुओं को हर साल अस्पताल में विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, जिसके बिना उनकी या तो मृत्यु हो जाती है या फिर वे विकलांगता या अन्य किसी समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिसका प्रभाव पूरे जीवन तक रहता है। यूनिसेफ और विश्व स्वास्य संगठन के सहयोग से हुए एक ताजा अध्ययन से यह जानकारी सामने आयी है। रिपोर्ट की सलाह है कि संबंधित देशों को नवजात शिशुओं की असमय मृत्यु को रोकने के लिए स्वास्य सेवाओं में निवेश करना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार गुणवत्ता वाली देखभाल के लिए सार्वभौमिक पहुंच 2030 तक होने वाली 17 लाख या 68 प्रतिशत नवजात मौतों को रोक सकती है। इसमें कहा गया है कि नवजात शिशुओं के लिए सप्ताह में सातों दिन और 24 घंटे स्वास्य देखभाल प्रदान करने और स्वास्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण, उपकरणों और बुनियादी ढ़ांचे में निवेश करने की जरूरत है। यूनिसेफ की चीफ प्रोटोकॉल सोनिया सरकार ने कहा कि स्वास्य मंत्रालय के साथ हम बाल मृत्युदर की रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए प्रयासरत हैं।

यूनिवर्स हेल्थ कवरेज: एचसीएफआई के अध्यक्ष पद्मश्री डा. केके अग्रवाल ने कहा, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज का मतलब अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्य देखभाल है, जो उपलब्ध हो, सुलभ हो, सस्ती हो और जवाबदेह हो। स्वास्य शायद भारत के राजनीतिक एजेंडे के प्राथमिक बिंदुओं में कभी शामिल ही नहीं रहा। अभी भी गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों की संख्या अधिक है, ऐसे में गुणवत्ता भरी स्वास्य देखभाल सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, जिसमें वितरण की लागत और इसके लिए भुगतान करने की क्षमता दोनों को ही देखने की जरूरत है। बीमा बहस का एक अलग ही विषय है। सस्ती और गुणवत्ता वाली स्वास्य सेवा तक पहुंच प्रदान करने के अलावा, सरकार के लिए एक केंद्रित स्वास्य बचत योजना सुनिश्चित करने के लिए एक केंद्रित कोष प्रबंधन की भी आवश्यकता है। इससे समाज के एक बड़े हिस्से को सेवाएं मिलेंगी और सभी के लिए स्वास्य सेवा के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।

गुणवत्ता पूर्ण स्वास्य सेवाएं जरूरी: नीति आयोग के सदस्य डा. वीके पॉल ने कहा कि देखभाल की गुणवत्ता को हमेशा पसंद किया जाता है, परंतु यह हमेशा संभव नहीं होता, क्योंकि यह उपचार की लागत को बढ़ा सकता है। फिर फोकस क्या होना चाहिए। प्रत्येक अस्पताल या स्वास्य देखभाल प्रतिष्ठान को उन संसाधनों के भीतर गुणवत्ता सुधारने और अधिकतम करने की कोशिश करनी चाहिए जो उनके लिए उपलब्ध हैं और उन संसाधनों के सवरेत्तम उपयोग के साथ हैं। दहर महीने एक स्पष्ट बचत लक्ष्य निर्धारित करें।

इस धन का उपयोग केवल चिकित्सा खर्च के लिए करें।इस बचत को संकट के लिए सुलभ रखें ताकि यह आसानी से उपलब्ध रहे। दजिस तरह एक कार को रखरखाव की आवश्यकता होती है, उसी तरह स्वस्थ रहने के लिए भी रखरखाव की आवश्यकता होती है। दसुनिश्चित करें कि आप मासिक चेक अप को अनदेखा न करें। यह बचत उसमें भी सहायक हो सकती है।

तीन तलाक पर आजम बोले- मुसलमान कुरान को मानेगा, कोई कानून मान्य नहीं

रामपुर। तीन तलाक बिल को लेकर छिड़े सियासी घमासान में सपा के कद्दावर नेता आजम खां भी कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि मुसलमान के लिए कुरान मान्य है। तीन तलाक पर कानून क्या कहता है, इससे मुसलमानों का कोई लेना-देना नहीं है। आजम ने कहा कि कुरान को मानने वाले मुसलमान जानते हैं कि तलाक लेने के लिए क्या करना है। कुमार में तलाक के बारे में सबकुछ लिखा है। कुरान के में लिखे के अलावा तलाक के लिए कोई कानून मान्य नहीं है। तलाक लेने के लिए मुसलमानों को सिर्फ कुरान का कानून ही मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुसलमान जहां कहीं भी है, उसके लिए सिर्फ और सिर्फ कुरान का कानून ही मान्य है। दूसरा कोई भी कानून मुसलमानों के लिए मान्य नहीं है। यह हमारा मजहबी मामला है। मुसलमानों के लिए पर्सनल लॉ बोर्ड है। यह हमारा व्यक्तिगत मामला है कि मुसलमान कैसे शादी करेगा और कैसे तलाक लेगा।

आजम ने मौजूदा सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पहले उन महिलाओं के बारे में सोचना जरूरी है जिनके पतियों ने उन्हें छोड़ दिया है। उन मुसलमान महिलाओं के लिए कदम उठाने की जरूरत है जो सड़कों पर ठोकर खा रही हैं। सरकार को उन महिलाओं को न्याय दिलाना चाहिए जो गुजरात और अन्य जगह के दंगों की पीड़ित हैं। चर्चा में हिस्सा लेते हुए समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव ने कहा कि सरकार विधेयक में तीन साल की सजा का प्रावधान वापस ले। जब उच्चतम न्यायालय ने फौरी तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया है तो इसके लिए कानून लाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि विधेयक को संयुक्त प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए।

कांग्रेस

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने कहा कि हिंदू महिलाएं भी तलाक की शिकार होती हैं। उनके पति भी उन्हें छोड़ देते हैं। फिर आप सिर्फ मुसलमान-मुसलमान क्यों करते हैं? फोन पर, व्हाट्सएप पर तीन तलाक देना बिल्कुल गलत है। लेकिन तीन तलाक देने वाले पति को जेल भेज दिए जाने पर उसकी पत्नी का गुजारा कैसे चलेगा? उन्होंने सवाल किया कि क्या उसके संरक्षण के इंतजाम किए गए हैं? इन मामलों पर विचार के लिए विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए।

शिरोमणि अकाली दल

शिरोमणि अकाली दल के प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा कि कुछ लोगों को चिंता है कि सरकार अपने फायदे के लिए यह विधेयक लेकर आई है। अगर सरकार अच्छा काम कर रही है तो उसे फायदा होगा ही, होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि तीन तलाक विधेयक का विरोध करने वालों से पूछना चाहता हूं कि वह शिकार के साथ हैं या शिकारी के साथ।

आम आदमी पार्टी

आम आदमी पार्टी के धर्मवीर गांधी ने कहा कि वह दिल से चाहते हैं कि तीन तलाक विधेयक संसद से पारित हो। लेकिन सरकार विपक्षी दलों के इन सुझावों को स्वीकार करे कि यह दंडनीय नहीं बनाया जाए, मेलमिलाप के लिए पूरा समय दिया जाए और गुजारा भत्ता सम्माननीय हो।

एआईडीयूएफ

एआईडीयूएफ के बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि तीन तलाक उतना बड़ा मुद्दा नहीं जितना इसे बनाया जा रहा है। हमारी महिलाओं के हजारों मसले हैं। सरकार उन्हें भी सुलझाए। हम जेल की सजा का

देवबंद के मुफ्ती ने कहा, इजाजत लेकर ही नमाज पढ़नी चाहिए

सरकारी जमीन पर नमाज पढ़ना गलत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर स्थित नोएडा अथॉरिटी के पार्क में नमाज अदा करने पर लगाई गई रोक के संबंध में देवबंद के मुफ्ती ने कहा है कि सरकारी जमीन पर नमाज पढ़ना गलत है। गौतम बुद्ध नगर जिला पुलिस द्वारा इस संबंध में प्रतिबंध का पालन कराने के लिए 26 कंपनियों को नोटिस भी जारी किया गया था। इस संबंध में देवबंद के मुफ्ती अहमद गौड़ ने कहा कि पार्क आदि में नमाज पढ़ने से यदि कोई विवाद पैदा होता है या वह स्थल सार्वजनिक है अथवा सरकारी इसका ध्यान नमाजियों को रखना चाहिए। नमाजियों को वहां के सरकारी अमले या जमीन के मालिक से इजाजत लेकर ही नमाज अदा करनी चाहिए। मुफ्ती ने कहा कि नमाज पढ़ने से यदि विवाद पैदा होता है या किसी को आपत्ति होती है तो ऐसी जगह नमाज नहीं पढ़नी चाहिए क्योंकि शरीयत ऐसी जगह पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं देती। गौड़ ने कहा कि नमाज पढ़ना फर्ज है, जरूरी है।

किसी भी स्थान पर जबरदस्ती नमाज पढ़ना ठीक नहीं है जब तक वहां के लोगों की आपसी सहमति न हो वहां नमाज नहीं पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कंपनी में काम करने वाले नमाजी हैं तो उस कंपनी को नमाज अदा करने की जगह मुहैया करानी चाहिए और यदि नमाजी अधिक हैं तो भी ऐसी जगह चिह्नित कराई जानी चाहिए जहां सभी सुकून के साथ नमाज अदा कर सके।

संपादकीय

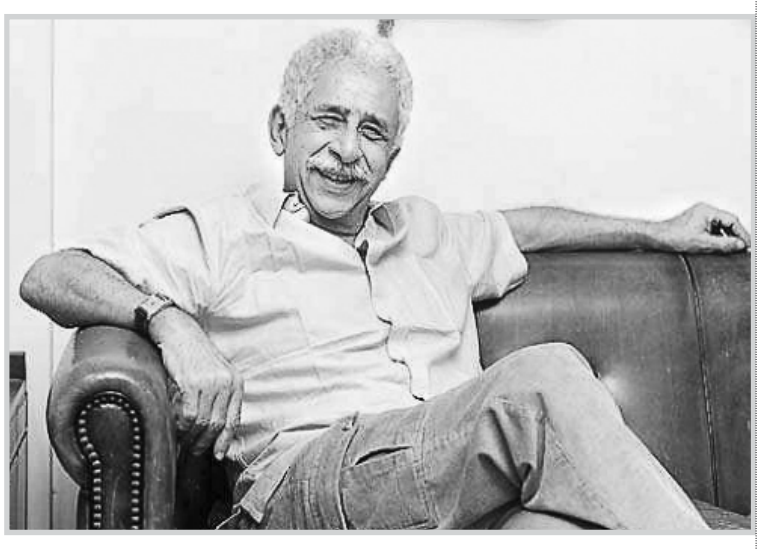

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के बयान पर सिर्फ भारत ही नहीं पाक की भी नजर है। पहले उसके प्रधानमंत्री ने भारत पर तंज कसा और अब सीमा पार बैठे इस्लामिक समूहों तक वीडियो का पहुंचाया जा रहा है। सवाल है कि क्या नसीरुद्दीन को अपने कहे पर अफसोस है? अभिनेता नसीर को बयान देने से पहले एक बार जरूर सोचना चाहिए था, उन्हें इस देश ने क्या कुछ नहीं दिया है।

यह देश के प्रति कृतघ्नता है

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के बयान पर मचा बावेला स्वाभाविक है। यह सोशल मीडिया के ज्वार का दौर है। पूरा फेसबुक, ट्विटर शाह से भरा हुआ है। नसीरुद्दीन ने भी अपनी बात कहने के लिए सोशल मीडिया का ही उपयोग किया और उसे वायरल कराने की कोशिश की। यूट्यूब पर इसे सुनने वालों की संख्या उनके सारे वीडियो को पार कर गया है। इस समय के माहौल में आपको चर्चा में आना है तो कुछ ऐसी बातें बोल दीजिए जो आग लगाने वाली हों, बड़े समूह को नागवार गुजरने वाला हो, उनके अंदर उत्तेजना पैदा कर सकता है....आप सीधे लाइमलाइट में आ जाएंगे। लोग गाली दें या प्रशंसा करें आप चर्चा में बने रहेंगे। नसीरुद्दीन शाह भले गुमनाम न हों, लेकिन काफी समय से चर्चा में नहीं थे। अब की स्थिति देख लीजिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान तक नसीरुद्दीन शाह की बात पहुंच गई। उन्होंने बाजाब्ता अपने भाषण में इसकी चर्चा करते हुए मोहम्मद अली जिन्ना के विचारों से इसकी तुलना कर दी। वे कह रहे हैं कि जिन्ना साहब ने इसलिए पाक की मांग की और लड़ाई लड़कर अलग देश बनाया क्योंकि उन्होंने देख लिया था कि अंग्रेजों से आजादी की लड़ाई के बाद मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनकर जीना होगा जो उन्हें स्वीकार नहीं है और आज मोदी के शासनकाल में वही हो रहा है जिसकी आशंका जिन्ना साहब ने व्यक्त की थी। इस तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की नजर में नसीरुद्दीन शाह की बात भारत में मुसलमानों के डर में जीने या दोयम दर्जे का जीवन की स्थिति का सबूत है।

हालांकि नसीरुद्दीन ने पाक के प्रधानमंत्री को उनकी राय के लिए जमकर फटकार लगाई है। लेकिन उनके मुंह से निकली बात काफी दूर तक जा रही है। कश्मीर केंद्रित आतंकवादियों और उनको प्रश्रय देने वालों के बीच उनके वीडियो सुनाने की खबरें हैं। इसे कुछ लोग मानवाधिकार संगठनों को भी भेज रहे हैं तथा इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में भी इसे लाने की कोशिशें हो रही हैं। पता नहीं इस बयान का कहां-कहां किस रूप मे भारत के खिलाफ उपयोग होगा। यही पहलू चिंतित करता है कि जो देश के सिलेब्रिटिज हैं उनको बयान देते समय कितना विचार करना चाहिए। किंतु अब भारत में ऐसे तथाकथित बड़े लोगों और सिलेब्रिटिज की संख्या बढ़ गई है जिनके लिए पता नहीं देश की इज्जत और छवि से बड़ा क्या है? सोशल मीडिया पर जो गालियां दे रहे हैं या उनको पाकिस्तान चले जाना चाहिए जैसी बातें लिख बोल रहे हैं उनसे सहमति नहीं। किंतु यह स्वीकारना होगा कि नसीरुद्दीन ने जो कहा उससे भारी संख्या में भारतीयों की भावनाओं को धक्का लगा है। वे ऐसा नहीं बोलते तो पाक के प्रधानमंत्री को भारत की निंदा करने का अवसर नहीं मिलता, न भारत विरोधियों को उसे उपयोग करने का हथियार हाथ आता।

नसीरुद्दीन कह रहे हैं कि मुझे समझ में नहीं आता कि मैंने ऐसा क्या कह दिया जिससे इतना बावेला मचा है। वे कह रहे हैं कि जिस मुल्क से मैं प्यार करता हूं, जो मेरा मुल्क है उसके हालात पर चिंता प्रकट करना मेरा अधिकार है। यदि दूसरे मेरी आलोचना करते हैं तो उनकी आलोचना करने का मेरा भी अधिकार है। निस्संदेह, आपको इसका अधिकार है। किंतु सर्वसाधारण से आपकी जिम्मेवारी ज्यादा है। जब आप कहते हैं कि मुझे फिक्र होती है अपने बच्चों के बारे में कि यदि वे बाहर निकले और उनसे पूछ लिया कि तुम हिंदू हो कि मुसलमान तो वे क्या जवाब देंगे तो इसका संदेश यह निकलता है कि भारत में सड़क चलते लोगों से धर्म पूछकर उनके साथ हिंसा होती है। वे कह रहे हैं कि हालात सुधरने का तो मुझे कोई आसार नहीं दिखता। भारत में ऐसी स्थिति बिल्कुल नहीं है। जाहिर है, उन्होंने किसी और इरादे से सोच-समझकर ऐसा सांप्रदायिक बयान दिया है जिसकी निंदा करनी ही होगी। उन्होंने अपने बयान के लिए बुलंदशहर की हिंसा को आधार बनाया है। बुलंदशहर की हिंसा उत्तरप्रदेश प्रशासन की शर्मनाक विफलता थी। हालांकि हिंदू मुसलमानों के बीच के बड़े सांप्रदायिक हिंसा की साजिश भी विफल हुई। नसीरुद्दीन ने उनकी आलोचना नहीं की जिनने गायों को काटकर उनके सिर और चमड़े आदि ठीक सड़क के किनारे ईख की खेतों में छोड़ दिए थे।

इसे लेकर लोगों में गुस्सा था और पुलिस इंस्पेक्टर जो थोड़े लोग आरंभ में विरोध करने आए उनको ही धमका रहा था। इसका वीडियो भी सामने आ गया है कि उसने गोली चला दी जिससे एक नवजवान की मौत हो गई। एक ओर कटे गायों के अवशेष, दूसरी ओर नवजवान की मौत के बाद वहां क्या स्थिति पैदा हुई होगी इसको समझे बगैर कोई बात करने का अर्थ ही है कि आप किसी दुराग्रह से भरे हैं। ऐसा दुराग्रह आग बुझाने की जगह उस पर पेट्रोल डालने का काम करता है। क्या हम भूल जाएं कि तब बुलंदशहर में चल रहे तब्लीगी इज्तमा में लाखों मुसलमान एकत्रित थे? गोकशी के कारण गुस्सा अगर चारों ओर फैलता तो क्या रूप लेता इसकी कल्पना से ही सिहरन पैदा हो जाती है। आरोपी पकड़े जा चुके हैं। यह ठीक है कि हिंदू भी अब आक्रोशित प्रतिक्रिया व्यक्त करने लगे हैं। किंतु यह अपने-आप नहीं हुआ है। इसका कारण लंबे समय तक जगह-जगह अल्पसंख्यकों द्वारा मजहबी अतिवादिता का व्यवहार तथा शासन द्वारा उनका संरक्षण व प्रोत्साहन रहा है। मूल पहलू की अनदेखी कर कोई भी एकपक्षीय प्रतिक्रिया दुराग्रहपूर्ण होगी। वैसे भी देश में कहीं ऐसी स्थिति नहीं है कि बहुसंख्यक समाज अल्पसंख्यकों को डर में जीने को मजबूर कर रहा है। कुछ दुखद घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर और सांप्रदायिक रंग देकर पेश किया गया लेकिन जब जांच हुई तो उसके कारण अलग निकले। जैसा नसीरुद्दीन ने कहा है वह स्थिति भारत में न थी न हो सकती है। हमारे यहां कानून का शासन है और इसको जो भी तोड़ने की कोशिश करेगा तो उसे प्रावधानों के अनुसार परिणाम भुगतना पड़ेगा। इमरान अपने गिरेबान में झांके। इसी वर्ष अप्रैल में मानवाधिकार की रिपोर्ट में पाकिस्तान के बारे में जो कहा गया उससे उनका सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि विचार, विवेक और धर्म की आजादी को लगातर दबाया गया, नफरत और कट्टरता को बढ़ाया गया व सहनशीलता और भी कम हुई। सरकार अल्पसंख्यकों पर जुल्म के मुद्दे से निपटने में अप्रभावी रही और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में नाकाम रही। आयोग ने कहा कि ईसाई, अहमदिया, हजारा, हिंदू और सिख जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में कोई कमी नहीं आई और वे सभी हमलों की चपेट में आ रहे हैं।

धार्मिक अल्पसंख्यकों की आबादी कम हो रही है। पाक की स्वतंत्रता के वक्त अल्पसंख्यकों की आबादी 20 प्रतिशत से ज्यादा थी जबकि 1998 की जनगणना के मुताबिक यह संख्या घटकर अब तीन प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा है। चरमपंथी पाकिस्तान के लिए विशिष्ट इस्लामिक पहचान बनाने पर अमादा हैं और ऐसा लगता है कि उन्हें पूरी छूट दी गई है। सिंध में हिंदू असहज हालात में रहने को मजबूर हैं। समुदाय की सबसे बड़ी चिंता जबरन धर्मांतरण है। लड़कियों को अगवा कर लिया जाता है. उनमें से अधिकतर नाबालिग होती हैं। उनको जबरन इस्लाम में धर्मांतरित किया जाता है और फिर मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर दी जाती है। भारत में तो हम ऐसी स्थिति की दु:स्वप्नों में भी कल्पना नहीं कर सकते। यदि जिन्ना ने ऐसे पाकिस्तान की कल्पना की जिस पर इमरान को संतोष है तो ऐसा देश और समाज उनको मुबारक हो। नसीरुद्दीन को इस देश ने सब कुछ दिया। उन्हें पद्मभूषण तक से नवाजा गया। बावजूद यदि उन्हें बच्चों को लेकर इस देश में फिक्र है तो यही कहना होगा कि आप इस महान देश के प्रति कृतघ्न हैं। क्या नसीरुद्दीन को वाकई अफसोस है।

अवधेश कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

आईएस के पैरों में बेड़ी जरूरी

एनआईए ने बुधवार को उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 16 स्थानों पर छापेमारी कर आईएस के एक मॉड्यूल का खुलासा किया है। एनआईए की कार्रवाई यह बताने के लिए काफी है कि भारत में आतंकी खतरा बढ़ता जा रहा है। आईएस के पैरों में बेड़ी डालना जरूरी है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 16 स्थानों पर छापेमारी कर आईएसआईएस के एक मॉड्यूल का खुलासा किया है। इन छापेमारी के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने दस आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है। आईएसआईएस के इस नए मॉड्यूल का नाम 'हरकत-उल हर्ब ए-इस्लाम' बताया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस छापेमारी के दौरान हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए हैं। उल्लेखनीय है कि यह दूसरी घटना है, जब उत्तर प्रदेश में आईएसआईएस के मॉड्यूल का खुलासा हुआ है। इससे पहले नौ मार्च-2017 को भी एनआईए ने आईएसआईएस के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। इसके साथ ही भारत के दक्षिणी राज्य केरल से भी आतंकी संगठन से जुड़ाव की कुछ खबरें सामने आयीं थी। केरल से कुछ लोग तो आईएसआईएस में शामिल होने के लिए सीरिया और इराक भी जा चुके हैं। ऐसी आशंका काफी दिनों से जताई जा रही थी कि आतंकी संगठन आईएसआईएस भारत में अपने पांव पसारने की कोशिशों में जुटा है। अब एनआईए की छापेमारी से इस आशंका को बल मिला है।

बता दें कि आईएसआईएस लगातार भारत में घुसपैठ की कोशिशों में लगा है, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के चौकन्ना रहने के चलते अभी तक उसकी कोशिशें कामयाब नहीं हो सकी हैं। ताजा घटना से पहले भी देश के अलग-अलग हिस्सों से आईएसआईएस के विभिन्न मॉड्यूल के ठिकानों पर छापेमारी कर आतंकी संगठन के मंसूबों को नाकाम किया गया है। इससे पहले इसी साल जुलाई माह के दौरान भी एनआईए ने कई राज्यों में छापेमारी कर आईएसआईएस के भारत में पांव पसारने की कोशिशों को नाकाम कर दिया था। ये छापेमारी कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में की गई थीं जिनमें सुरक्षा एजेंसियों ने 16 संदिग्धों को हिरासत में लिया था। देखा जाए तो उत्तरप्रदेश में आतंकी खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते तीन सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि देश को अस्थिर करने की साजिश में लगे आतंकी यूपी में अपनी जड़ें जमाने में लगे हुए हैं। तीन साल के भीतर यूपी से 54 आतंकी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए है। इसमें एनआईए के आंकड़े जोड़े जाएं तो संख्या ज्यादा हो जाती है।

खास बात यह है कि बीते दो सालों के भीतर यूपी में आतंकी संगठनों की आमद तेजी से बढ़ी है। इसे देख सुरक्षा एजेंसियां हलकान तो है पर पूरी मुस्तैदी पर उन पर वार भी कर रही हैं। सूबे में आईएसआईएस के साथ बब्बर खालसा, जमायत उल मुजाहिदीन बांग्लादेश, हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठन जिस तरह तेजी से अपनी जड़े जमाने में जुटे हैं, जिससे साफ है कि यूपी उनके निशाने पर है। वहीं इसी साल यूपी से टेरर फंडिग के मामलों का खुलासा यह इशारा कर रहा है कि आतंकियों के खाद-पानी का बंदोबस्त यहां से बखूबी हो रहा है।

सरोगेसी : पुख्ता प्रावधान जरूरी

बीते कुछ बरसों में भारत में जिस तेजी से सरोगेसी कारोबार बनती जा रही है, इसकी सीमाएं तय करना बेहद जरूरी था। प्रभावी और समुचित कानूनी नियमावली के अभाव में किराए पर कोख देने-लेने का प्रचलन इतना बढ़ गया कि इससे जुड़ा परोपकारी और मानवीय भाव ही खो गया। हालांकि सरोगेसी के जरिये बच्चा पाने की चिकित्सकीय प्रक्रिया वरदान के रूप में सामने आई थी, लेकिन भारत में इसने एक व्यवसाय के रूप में जड़ें जमा लीं और देश कमर्शियल सरोगेसी का बड़ा केंद्र बन गया। ऐसे में सुखद है कि हाल ही में लोकसभा ने सरोगेसी नियामक विधेयक-2016 को पास कर दिया, जिसके चलते अब किराए की कोख लेने के मामलों में व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध लग सकेगा और शोषण रुकेगा।

द सरोगेसी रेगुलेशन बिल 2016 में सरोगेसी से जुड़े प्रावधानों का उल्लंघन करने पर कठोर सजा का भी प्रावधान किया गया है। इस नियमन के तहत सिर्फ निःसंतान भारतीय दंपतियों की जरूरतों के लिए सरोगेसी की इजाजत दी जाएगी। साथ ही परिवार के सदस्यों या करीबी रिश्तदारों के बीच ही सरोगेसी हो सकेगी। बिल में किए गए प्रावधानों में बदलावों के मुताबिक सिर्फ शादीशुदा दंपत्ति जिनमें एक या दोनों मां-पिता बनने में सक्षम नहीं हों, संतान पाने के लिए इस प्रक्रिया को इस्तेमाल कर सकेंगे। साथ ही ऐसे अभिभावक भी सरोगेसी से जरिये बच्चा पा सकते हैं, जिनके बच्चे मानसिक या शारीरिक रूप से अक्षम हैं या किसी गंभीर रोग से पीड़ित हैं। इतना ही नहीं अब एकल पुरुषों और महिलाओं, अविवाहित जोड़ों और समलैंगिकों को सरोगेसी के जरिये बच्चा पाने की इजाजत नहीं मिलेगी। बिल में एक प्रावधान यह भी है कि अब कोई महिला जीवन में बस एक बार ही सरोगेट बन सकती है। यह बेहद जरूरी बिंदु है क्योंकि सरोगेसी महिलाओं के शोषण का भी जरिया बन गया है।

दरअसल, सरोगेसी नियामक विधेयक का सबसे अहम् प्रावधान यही है कि अब सरोगेसी के व्यावसायिक स्वरूप पर रोक लगाई जा सके क्योंकि इस प्रक्रिया के माध्यम से संतान पाना निःसंतान दंपतियों के लिए तो वरदान समान है पर इसका यूं कारोबारी रूप ले लेना अत्यधिक चिंतनीय है। गौरतलब है कि हमारे देश में सरोगेसी के जरिये मां बनने वाली अधिकतर महिलाएं गरीब तबके से हैं। ये महिलाएं अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए सरोगेट मदर बनने को राजी हो जाती हैं। इतना यही नहीं कई महिलाएं तो अपनी सेहत को दांव पर लगाकर बार-बार सरोगेट मदर बनती हैं। यही वजह है कि भारत में यह प्रक्रिया एक व्यवसाय की भांति हो गई है।

बीते कुछ बरसों में भारत में जिस तेजी से सरोगेसी कारोबार बनती जा रही है, इसकी सीमाएं तय करना बेहद जरूरी था। प्रभावी और समुचित कानूनी नियमावली के अभाव में किराए पर कोख देने-लेने का प्रचलन इतना बढ़ गया कि इससे जुड़ा परोपकारी और मानवीय भाव खो गया। व्यावसायिक सरोगेसी पर रोक लगने से ऐसी कई समस्याओं का हल निकल सकेगा। अत: सरोगेसी के कारोबार को जड़ से खत्म करना जरूरी है।

विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग सरोगसी के जरिये बच्चा पाने भारत आने लगे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में यह प्रक्रिया काफी सस्ती है। यहां कम खर्च में किराए की कोख भी मिल जाती है और कोई सख्त कानूनी प्रावधान भी नहीं। इसीलिए गरीब और अशिक्षित महिलाएं इसमें शोषण का भी शिकार बन रही हैं।

ब्रिटेन जैसे कई देशों में तो सरोगेट मदर को मां का दर्जा दिया जाता है जबकि भारत में जन्म प्रमाण पत्र पर भी इच्छुक अभिभावकों का ही नाम लिखा जाता है। अनुमान है कि हमारे देश में करीब दो हजार सरोगेसी क्लिनिक चल रहे हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में यह कारोबार दो से तीन अरब डॉलर का हो चुका है। विदेशी नागरिकों के अलावा बांझपन व अतिमहत्वाकांक्षी कामकाजी महिलाओं की बढ़ती संख्या ने सरोगेसी के आंकड़ों में इजाफा किया है। बच्चा गोद लेने की जटिल प्रक्रिया के कारण भी सरोगेसी को बढ़ावा मिला है। दुखद ही है कि कई चर्चित चेहरे अविवाहित होने बावजूद इस प्रक्रिया का सहारा लेकर सिंगल पेरेंट बने हैं। इतना ही नहीं पहले से स्वस्थ बच्चों के अभिभावक बन चुके जाने-माने चेहरों ने भी इस माध्यम से बच्चा पाया है। इस तरह के उदाहरण यह बताते हैं कि इस चिकित्सकीय प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल हुआ है। इसीलिए शोषण और व्यवसाय बन चुकी सरोगेसी पर प्रतिबंध जरूरी है।

गौरतलब है कि पराई कोख किराए पर लेकर माता-पिता बनने की इस प्रक्रिया को लेकर दुनिया के कई देशों में काफी पहले से कानून बन चुके हैं। यह लाजिमी भी है क्योंकि मानवीय और चिकित्सकीय पहलुओं से जुड़ी यह प्रक्रिया वाकई बेहद जटिल है। हमारे यहां भी किराए पर कोख लेने और बच्चा पाने की इस प्रक्रिया में अनिवासी भारतीयों और विदेशी नागरिकों के शामिल होने की सूरत में बच्चों की नागरिकताएं, विवाह विच्छेद व सरोगेट मदर बनने वाली महिला की सेहत और अधिकारों से जुड़े कई मसले सामने आए हैं। इतना ही नहीं सेरोगेसी से कई सामाजिक, भावनात्मक और स्वास्थ्य से जुड़े बिंदु भी संबद्ध हैं। यह कानूनी ही नहीं नैतिक मूल्यों से जुड़ा विषय भी है। अब तक ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जब इस विधि से जन्मे बच्चे में शारीरिक-मानसिक विकलांगता होने पर बच्चा चाहने वाले दंपति बच्चे को लेने से मना कर देते हैं। कई बार भावनात्मक आवेश में आकर सरोगेट मदर बनने वाली महिलाएं भी बच्चा देने से मना कर देती हैं। ऐसे में पैदा होने वाले बच्चे के पूरे भविष्य पर ही प्रश्न चिह्न लग जाता है।

सरोगेसी से जुड़ी कई समस्याओं और पेचीदगीयों के निदान हेतु कुछ समय पहले केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से एक गैर-सरकारी संस्था द्वारा तैयार रिपोर्ट सरोगेसी मदरहुड-इथिकल और कॉमर्शियल में सामने आए तथ्यों का निष्कर्ष भी यही था कि सरकार को बिना किसी देरी के सरोगेसी को लेकर पुख्ता कानून और नियम बनाने चाहिए क्योंकि जिस तरह आज यह प्रक्रिया व्यापार बन चुकी है, महिलाओं के स्वास्थ्य और व्यक्तित्व से खिलवाड़ हो रहा है। कई महिलाएं खुद अपनी मर्जी से तो कई धन कमाने के लिए परिवारजनों के दबाव में आकर बार बार सरोगेट मां बनती हैं, जिससे उनके शरीर और मनोविज्ञान दोनों पर नकारात्मक असर होता है। उम्र से पहले ही कई बीमारियां उन्हें घेर लेती हैं। ऐसे जटिल कारणों के चलते ही कई विकसित देश व्यावसायिक सरोगेसी पर बहुत पहले ही पाबंदी लगा चुके हैं। यूएस, ब्रिटेन, नेपाल, थाईलैंड जैसे कई देशों में कमर्शियल सरोगेसी गैरकानूनी है।

यह विचारणीय है कि समुचित विनियमन व निर्देशन के अभाव में सरोगेसी के बढ़ते मामलों के चलते दुनियाभर में भारत सरोगेसी हब के रूप में जाना जाने लगा। परोपकार से जुड़ी सहायता के भाव ने कारोबार का रूप ले लिया। ऐसे में सरकार का यह कदम सराहनीय है कि इस विषय पर समुचित कानूनी प्रावधान और दिशानिर्देश तय किए जा रहे हैं। हमारे यहां सरोगेट मां के जीवन बीमा, आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सुविधाओं, बच्चे की नागरिकता और कोई महिला कितनी बार मां बन सकती है, जैसे बिंदुओं को लेकर सख्त और प्रभावी कानून जरूरी था। व्यावसायिक सरोगेसी पर रोक लगने से ऐसी कई समस्याओं का हल निकल सकेगा। यूं भी संवेदनाओं से जुड़े कई पहलुओं की उपेक्षा कर कमाई का जरिया बन चुकी सरोगेसी की प्रक्रिया का नियमन आवश्यक है क्योंकि यह न सिर्फ सरोगेसी से जन्म लेने वाले बच्चों के भविष्य से जुड़ा मामला है बल्कि सरोगेट मां के अधिकारों, स्वास्थ्य और मानवीय गरिमा का विषय भी है। इतना ही नहीं इस मानवीय मदद का कारोबारी चिकित्सकीय प्रक्रिया बनना दुनियाभर में देश की छवि भी बिगाड़ रहा है। अतः सरोगेसी के कारोबार को जड़ से खत्म करना जरूरी है।

डॉ. मोनिका शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

देश में आईएस की बढ़ती मजबूती की खबरें गलत हैं। कुछ लोग जरूर संगठन को सहायता कर रहे हैं, मगर सरकार उन्हें भी मकसद में कामयाब नहीं होने देगी।

किरण रिजिजू, गृह राज्य मंत्री

यूपी में योगी सरकार ने सख्ती कर रखी है। प्रदेश के अमन-चैन को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। आईएस को किसी भी सूरत में जमीन मजबूत नहीं करने देंगे।

केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री

सत्यार्थ

सत्संग से हृदय परिवर्तन

आर्य समाजी संत पं. लेखराम लाहौर के पास एक गांव में आर्य समाज के एक समारोह में प्रवचन कर रहे थे। उन्होंने धर्म और कर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा- जो भी शुभ या अशुभ कर्म मनुष्य करता है, उसका फल उसे अवश्य मिलता है। चोरी, हत्या, हिंसा आदि पाप कर्म करने वालों को कर्म का दंड अवश्य भोगना पड़ता है। कोई भी उसे बचा नहीं सकता। पंडित जी के प्रभावी प्रवचनों को सुनने वालों में उस क्षेत्र का कुख्यात डाकू मुगला भी था। पंडित जी की इस चेतावनी ने उसका हृदय झकझोर डाला। मुगला ने प्रवचन के बाद उन्हें प्रणाम किया एवं बोला- मैं आपसे एकांत में कुछ बातें करना चाहता हूं। आप कहां रुके हैं। पंडित जी ने बताया-आर्य समाज मंदिर में ठहरा हुआ हूं। वहां आकर मिल सकते हो। मुगला रात को पंडित जी के बताए हुए पते पर पहुंचा। वहां उपस्थित सभी लोग उसको देखते ही जाने लगे। पर इन सबसे अविचलित मुगला ने श्रद्धापूर्वक पंडित जी के चरण स्पर्श किए और कहा- महाराज, मैं वर्षों डाके डालता रहा हूं। कई हत्याएं कर चुका हूं। आपने प्रवचन में कहा कि हर आदमी को अपने पाप कर्म का फल भोगना ही पड़ता है। मुझे अपने पापों की माफी का रास्ता दिखाइए। पंडित जी ने समझाया- अपराध करना आज से ही छोड़ दो, लोगों की सेवा, हर मौके पर उनकी सहायता करने और बाकी का जीवन प्रभु की उपासना में लगाने का संकल्प ले लो, तो तुम अपने पापों से मुक्ति पा सकते हो। पंडित जी की बात मुगला की समझ में आ गई। उसने उसी वक्त पंडित लेखराम जी के बताए मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प ले लिया। कुछ ही दिनों में सत्संग ने उसे अपराधी की जगह भले आदमी के रूप में ख्याति दिला दी। वह अच्छा इंसान बन गया।

मनीषा देवी

सार समाचार

फ्रांस की विंची लंदन के गैटविक हवाई अड्डे में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदेगी

पेरिस। फ्रांस के विंची हवाई अड्डे ने ब्रिटेन के दूसरे सबसे बड़े हवाई अड्डे गिटविक की बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने का सौदा किया है। बृहस्पतिवार को की गयी इस घोषणा के अनुसार यह सौदा 2.9 अरब पौंड (3.67 अरब डालर) में हुआ है। विंची अगले साल की पहली छमाही में गैटविक की 50.01 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण का काम पूरा कर लेगी। हवाई अड्डे की 49.99 फीसदी की शेष हिस्सेदारी ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर्स पार्टनर्स के पास ही रहेगी।

गिटविक हवाई अड्डा यूरोप का आठवां सबसे बड़ा हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा दुनिया की सबसे व्यस्त एकल हवाई पट्टी का परिचालन करता है। 2017 में इस हवाई अड्डे ने एक दिन में 950 उड़ानों का विश्व कीर्तिमान बनाया था। विंची एयरपोर्ट्स के प्रमुख निकोलस नोटबर्ट ने कहा कि इस सौदे से विंची एयरपोर्ट्स के पूरे नेटवर्क को गैटविक के विश्व स्तरीय प्रबंध और परिचालन की श्रेष्ठताओं का लाभ मिलेगा।

अमेरिका अफगानिस्तान से बाहर जाये नहीं तो सोवियत संघ की तरह हार के लिए तैयार रहे: तालिबान

काबुल। तालिबान ने बृहस्पतिवार को अमेरिका को चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने अफगानिस्तान को नहीं छोड़ा तो उसे 1980 में सोवियत संघ की भांति हार का सामना करना पड़ेगा। युद्धग्रस्त देश के सोवियत हमले के 39 साल पूरे होने के मौके पर एक तंज भरे संदेश में तालिबान ने कहा कि अमेरिकी सेनाओं को ''अपमान'' का सामना करना पड़ा और वे अपने शीत युद्ध के अनुभव से ''बहुत कुछ सीख सकते हैं।''तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में कहा कि तालिबान और अमेरिका के बीच भविष्य के संबंध संघर्ष के बजाय ''कूटनीतिक और आर्थिक सिद्धांतों'' पर आधारित होने चाहिए।

अमेरिका में भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में भारतीय मूल के एक 33 वर्षीय पुलिस अधिकारी की ड्यूटी के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान न्यूमेन पुलिस विभाग के रोनिल सिंह के रूप में हुई है. क्रिसमस की रात घटना के वक्त रोनिल ओवरटाइम कर रहे थे.

मामले की जांच कर रहे स्टेनिस्लॉस काउंटी शेरिफ्स विभाग ने एक बयान जारी कर कहा कि, 'घटना के कुछ ही समय बाद रेडियो पर उनकी मौत की खबर दे दी गई .' गोली लगने के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई. पुलिस के आने से पहले ही अज्ञात हमलावार वहां से भागने में कामयाब हो गया. मामले की जांच कर रहे विभाग ने संदिग्ध और उसके वाहन का फुटेज जारी कर लोगों से पहचान की अपील की है. रोनिल सिंह सात साल से न्यूमेन पुलिस विभाग में काम कर रहे थे. न्यूमेन पुलिस विभाग से पहले वह मर्स्ड काउंटी शेरिफ्स विभाग में तैनात थे. रोनिल के परिवार में पत्नी और पांच महीने की बेटा है. एक रिपोर्ट के मुताबिक रोनिल फिजी के रहने वाले थे. कैलिफोर्निया के गवर्नर एडमंड ब्राउन के अलावा न्यूयॉर्क पुलिस कमिश्नर और इंडियन ऑफिसर्स सोसाइटी ने भी उनके निधन पर शोक जताया है.

सरप्राइज विजिट पर अमेरिकी सैनिकों से मिलने पहुंचे राष्ट्रपति ट्रंप और मेलानिया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया इराक में तैनात अमेरिका के सैनिकों को बधाई देने के लिए बुधवार रात अचानक पश्चिम एशियाई देश पहुंच गए। राष्ट्रपति के तौर पर यह ट्रंप की पहली इराक यात्रा है। ट्रंप ने अपने साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों से कहा कि मैं यहां मौजूद हमारे महान सैनिकों को नमन करना चाहता हूं। वह कुछ घंटों तक इराक में रुके। ट्रंप ने इराक में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और अल-असद एअर बेस पर सैनिकों से बातचीत की। यह बगदाद के पश्चिम में अमेरिका-इराक का संयुक्त सैन्य अड्डा है। इराक के प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल-महदी से मुलाकात का ट्रंप का कार्यक्रम रद्द हो गया।

ट्रंप द्वारा इराक और सीरिया में युद्ध अभियान में लगे अमेरिका के विशेष अभियान बलों के 100 सैनिकों के समूह को संबोधित किए जाने के बाद इराक की उनकी यात्रा के बारे में जानकारी सार्वजनिक की गई। यह पूछे जाने पर कि वह इराक क्यों आना चाहते थे, इस पर ट्रंप ने एअर बेस पर सैन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात से पहले कहा, 'यह ऐसा स्थान है जिसके बारे में कई वर्षों से बात कर रहा हूं। मैं एक असैन्य नागरिक के तौर पर इसके बारे में बात कर रहा हूं।' ट्रंप का अघोषित इराक दौरा ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका में आंशिक तौर पर सरकारी कामकाज ठप है।

सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि इराक आने को लेकर उनकी कुछ चिंताएं थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि निश्चित तौर पर जब मैंने सुना कि आपको किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा? आप देखोगे कि हमें अंधेरे विमान में सभी खिड़कियों को बंद कर और अंधेरे में किस परिस्थिति से गुजरना पड़ा। एअर बेस के भोजनालय में पहुंचने के बाद ट्रंप और मेलानिया 15 मिनट तक लोगों के बीच रहे। ट्रंप बात करने के लिए रुके और वहां मौजूद लोगों की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' लिखी टोपियों पर हस्ताक्षर किए। एक जगह उन्होंने एक बैज पर हस्ताक्षर किए जिस पर 'ट्रंप 2020' लिखा था।

वर्दी पर सिंगर नाम लिखे एक व्यक्ति ने ट्रंप से हाथ मिलाया। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, 'वह मेरी वजह से वापस सेना में आया।' ट्रंप ने व्यक्ति की ओर देखते हुए कहा कि और मैं आपकी वजह से यहां आया हूं। ट्रंप ने सैनिकों के साथ तस्वीरें और सेल्फी भी खिंचवाईं। मेलानिया ने सैनिकों तथा उनके परिवारों को छुट्टियों और नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मुझे आप पर बहुत गर्व है।'

अमेरिका ने तालिबान को सुरक्षा और नौकरियों की पेशकश की- रिपोर्ट

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अमेरिका अफगानिस्तान में तालिबान को शांति प्रक्रिया में शामिल करने के लिये कई तरह की पेशकश कर रहा है। इनमें चरमपंथियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी शामिल है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बात कही गई है। पाकिस्तान के समाचार पत्र डान की खबर के मुताबिक तालिबान को अफगान शांति प्रक्रिया में शामिल करने के अमेरिका पाकिस्तान, रूस और अन्य विश्व शक्तियों के प्रयास तेज करने के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने भी नये अफगानिस्तान में विद्रोहियों के पुनर्वास के लिये रूपरेखा तैयार करने की योजना बनाई है।

इस हफ्ते कांग्रेस को भेजी गई पेंटागन की योजना का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है, 'तालिबान के कुछ सदस्य लड़ाई छोड़कर हथियार डालने को तैयार हैं, वह समाज में तभी लौटेंगे जब उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा की गारंटी ली जाएगी और उन्हें अपना परिवार चलाने के लिये पर्याप्त पैसा कमाने का मौका मिलेगा।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि पेंटागन का मानना है कि स्थानीय नेता ऐसे विकास कार्यक्रम चला रहे हैं जिनसे कुछ हद तक शांति के रास्ते पर लौटा जा सकता है, लेकिन अफगान सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्-एकीकरण का कार्यक्रम नहीं चलाया है। ट्रंप प्रशासन जहां अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी चाहता है तो वहीं रक्षा मंत्रालय का मानना है कि तालिबान पर शांति वार्ता में शामिल होने का दबाव बनाने के लिये पर्याप्त सैनिकों की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते 16 महीनों के दौरान अमेरिका और उसके सहयोगियों ने तालिबान पर लंबे और समावेशी राजनीतिक समझौते के लिये सैन्य ताकत का इस्तेमाल भी किया है। ऐसा दावा किया गया कि पेंटागन की इसी योजना की वजह से तालिबान को जून में ईद उल फितर पर संघर्ष विराम को स्वीकार करने के लिये बाध्य होना पड़ा।

संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश में शांतिपूर्ण चुनाव का आह्वान किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बांग्लादेश में सभी पक्षकारों से यह सुनिश्चित करने को कहा है देश में आने वाले आम चुनाव हिंसा और भय मुक्त माहौल में हों। महासचिव का यह बयान ऐसे समय आया है जब गिरफ्तारियों और सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा लक्षित हमलों की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश में 30 दिसंबर को आम चुनाव होने हैं। यह देश में होने वाला 11वां आम चुनाव है। आम चुनावों को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस ने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के लिये अपनी प्रतिबद्धता पर फिर जोर दिया।

महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, ''अल्पसंख्यकों और महिलाओं समेत सभी बांग्लादेशी नागरिकों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने में सुरक्षित महसूस करना चाहिए। नागरिक समाज और चुनाव पर्यवेक्षकों को इस प्रक्रिया में अपनी भूमिका अदा करने के लिये पूरा सहयोग दिया जाना चाहिए।''

इसमें कहा गया कि उन्होंने ''सभी पक्षकारों से चुनाव से पहले, चुनाव के दौरान और उसके बाद हिंसा और भयमुक्त माहौल सुनिश्चित करने का आह्वान किया, जिससे शांतिपूर्ण, विश्वसनीय और समावेशी चुनाव हो सकें।'' दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश में आम चुनावों से ठीक पहले, पिछले हफ्ते चुनावी हिंसा की घटनाओं और विपक्षी सदस्यों की गिरफ्तारी को लेकर चिंतित है और सभी पक्षों से आह्वान किया कि समावेशी और निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें।

अब पेशावर में भारतीय उच्चायोग की टीम को पाक अधिकारियों ने किया परेशान, सड़क पर 30 मिनट तक की पूछताछ

नई दिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों को परेशान किए जाने की एक और मामला सामने आया है. यह घटना 21 दिसंबर को पेशावर की है, जहां भारतीय उच्चायोग टीम को परेशान किया गया. इस घटना के वक्त भारतीय अधिकारी किस्सा ख्वानी बाजार से लौट रहे थे. यहां होटल पर्ल कंटीनेंटल के पास उनका वाहन रोककर दो पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा सड़क पर ही करीब आधे घंटे तक पूछताछ की गई.

इस दौरान भारतीय अधिकारियों ने उनसे अनुरोध किया कि वे होटल पहुंचने के बाद यात्रा के बारे में जानकारी एकत्र कर सकते हैं, क्योंकि यह मुख्य सड़क पर उनका खड़े रहना अनुचित और असुविधाजनक था, लेकिन पाक एजेंसी के अधिकारियों ने भारतीय अधिकारियों को वहां से जाने की अनुमति नहीं दी.

यहां तक की पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा भारतीय अधिकारियों को आगाह किया गया कि वे तुरंत इस्लामाबाद लौट जाएं. इसके बाद, भारतीय अधिकारियों को अपनी यात्रा को बीच में ही रोकना पड़ा, क्योंकि उनके पास इस्लामाबाद लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं था.

भारत ने इस मुद्दे को इस्लामाबाद के समक्ष प्रमुखता से उठाया है. भारतीय उच्चायोग ने 23 दिसंबर को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को एक नोट जारी कर इस घटना की जांच करने का अनुरोध किया. भारत की तरफ से पाक अधिकारियों से कहा है कि वे नियमानुसार आने वाले राजनयिकों और मानकों के अनुसार राजनयिकों को पर्याप्त प्रोटोकॉल देने के लिए संवेदनशील बनें.

दरअसल, इससे पहले WION ने सबसे पहले पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों को परेशान किए जाने की खबर प्रकाशित की थी. इसमें बताया गया था कि इस्लामाबाद और लाहौर में भारतीय राजनयिकों की जासूसी कराई जा रही है. उन्हें नए गैस कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं. कई वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों की इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई. सुरक्षा में कमी के चलते इस महीने एक अनजान व्यक्ति भारतीय अफसर के घर में घुस आए थे. इस पर पूर्व राजनायिक योगेश कुमार ने कहा था कि पाकिस्तान इन हरकतों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी ही छवि खराब होगी.

आरोप है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई एजेंट्स सवाल-जवाब के बहाने मेहमानों को धमकियां दे रहे हैं. राजनायिकों की जासूसी भी बढ़ा दी गई है. एजेंट्स उनका हर जगह पीछा कर रहे हैं.

बांग्लादेश के आम चुनाव से पहले बुरी तरह डरे हिंदू, भारत में पनाह लेने की कर रहे कोशिश

गुवाहाटी (एजेंसी)।

बांग्लादेश में 30 दिसंबर को 270 संसदीय सीटों पर आम चुनाव होने जा रहे हैं. कयास ये लगाया जा रहा है कि इस बार बांग्लादेश में खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और सरकार चला रही शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी को कड़ी टक्कर देने वाली है. खालिदा जिया और उनकी पार्टी को कट्टरपंथी माना जाता हैं और वहां रह रहे अल्पसंख्यकों के प्रति खासकर हिन्दुओं के प्रति उदारवादी मनोभाव नहीं रखने का भी आरोप लगते आया है.

इस बार बांग्लादेश में 11वीं बांग्लादेश जातीय सदन का चुनाव 30 दिसंबर को होने जा रहा है. खालिदा के सरकार बनने की उम्मीदों को देखते हुए बांग्लादेश के हिन्दू अल्पसंख्यक डरे हुए हैं, जिस वजह से बांग्लादेश से हिन्दू अल्पसंख्यक भारत के नॉर्थईस्ट के बांग्लादेश सीमांत क्षेत्रों से भारत में घुसपैठ की कोशिश करने की लगातार कोशिश भी सामने आई हैं. इसको लेकर भारत के नॉर्थईस्ट के 8 राज्यों और पश्चिम बंगाल से सटे भारत बांग्लादेश के 5182 किलोमीटर के सीमावर्ती क्षेत्रों में आम चुनाव को लेकर हाई अलर्ट कर दिया गया है.

11 घुसपैठिए पकड़े

हाल ही में 5 दिसंबर के दिन मेघालय के साउथ गारो हिल्स से 11 हिन्दू बांग्लादेशी भारत में घुसपैठ करने का मामला सामने आया था. इन 11 हिन्दू बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ करने के जुर्म में पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में बीएसएफ ने गिरफ्तार किया था. उनसे पूछताछ कर बीएसएफ को जानकारी मिली थी कि खालिदा की सरकार बनने की गुंजाइश से बांग्लादेश में रह रहे हिन्दू अल्पसंख्यक डरे-सहमे हुए हैं.

खालिदा की सरकर में अत्याचार

खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का सरकार बांग्लादेश में जब भी बनी हैं तब-तब उसके समर्थकों और नेताओं का हिन्दू बांग्लादेशियों पर अत्याचार करने के मामले सामने आने लगते हैं और इसलिए भारत की भूमि को हिन्दू बांग्लादेशी सुरक्षित मानता हैं और इसलिए इस दौरान हिन्दुस्तान में नॉर्थईस्ट के भारत बांग्लादेश सीमांत क्षेत्रों से भारत में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ जाती हैं.

नदियों पर भी चौकसी

नॉर्थईस्ट के भारत बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ आधुनिक तकनीक

सीआईबीएमएस के सहारे से बॉर्डर पर निगरानी रखी जा रही है. बीएसएफ के 82 बटालियन नॉर्थईस्ट और पश्चिम बंगाल से सटे बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात है. बॉर्डर की नदियों पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है.

दिन-रात कड़ी निगरानी

सीआईबीएमएस आधुनिक बॉर्डर पर निगरानी के तकनीक हैं जिसे बीएसएफ और भारत सरकार के डिफेन्स मंत्रालय ने तैयार किया हैं. इसमें रात को बॉर्डर पर निगरानी के लिए अधेरे में काम करने वाली कैमरे बॉर्डर पर जगह-जगह पर लगाए गए हैं.

बीएसएफ को राडार और आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है जिससे बांग्लादेश सीमा पार से कहीं कोई भी घुसपैठ के मामलों को इंटरसेप्ट किया जा सके. भारतीय सेना ने 11 अतिरिक्त पल्टून भी सीमा पर तैनात कर दिया है.

इस देश के राष्ट्रपति का पब्लिक को फरमान- मोटापा घटाओ, अन्यथा...

काहिरा (एजेंसी)।

वैसे तो मोटापे की समस्या पूरी दुनिया में है लेकिन जीवनशैली से जुड़ी इस समस्या के बारे में अभी तक किसी राष्ट्राध्यक्ष ने पब्लिक से कुछ नहीं कहा. लेकिन मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतेह अल-सीसी इस मामले में एक कदम आगे बढ़ गए. मिस्र में सेना के जनरल से राष्ट्रपति बने अब्दुल फतेह-अल सीसी ने पिछले दिनों टीवी पर एक फरमान जारी कर सबको हैरान कर दिया. उन्होंने कहा कि जब वह सड़कों पर निकलते हैं तो मोटापे के शिकार लोगों को बहुतायत में देखते हैं. लोगों को अपने खान-पान और जीवनशैली पर ध्यान देना चाहिए और मोटापा कम करना चाहिए. सिर्फ इतना ही नहीं उन्होंने टीवी चैनलों से भी कहा कि ऐसे न्यूज एंकरों, प्रेजेंटरों और लोगों को अपने प्रोग्राम में शामिल नहीं करना चाहिए जो मोटापे के शिकार हैं. उन्होंने यह भी कहा कि शारीरिक शिक्षा को स्कूल और यूनिवर्सिटीज के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए ताकि लोगों को खान-पान और लाइफस्टाइल के बारे में शुरू से ही सचेत किया जा सके.

सिर्फ इतना ही नहीं फिटनेस के प्रति सजग राष्ट्रपति सीसी अगले ही दिन नेशनल मिलिट्री अकादमी साइकिल से पहुंचे और वहां कैडेट्स से बोले कि उन लोगों की बेसिक ट्रेनिंग तब तक पूरी नहीं मानी जाएगी जब तक कि वह फिटनेस की बुनियादी जरूरतों को पूरी नहीं करते.

राष्ट्रपति सीसी की इस तरह की घोषणा के बाद मिस्र में इस मुद्दे पर जबर्दस्त बहस शुरू हो गई है. सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति की आलोचना भी की जा रही है. आलोचकों का कहना है कि राष्ट्रपति ने मोटापे की समस्या से लड़ने के लिए कोई प्लान नहीं बताया और गरीब मुल्क के लोगों से खुद ही इससे निपटने का आग्रह कर रहे हैं.

मोटापे की समस्या

मिस्र में मोटापा एक बड़ी समस्या है और 2017 के एक अध्ययन के मुताबिक यहां पर मोटापे की दर दुनिया में सबसे अधिक है. आंकड़ों के मुताबिक हर तीन में से एक व्यस्क व्यक्ति मोटापे का शिकार है. यानी देश की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हिस्सा मोटापे का शिकार है. इस तरह 10 करोड़ की आबादी में से तकरीबन दो करोड़ लोग मोटापे का शिकार हैं.

मुख्यमंत्री के हाथों अप्रेंटिस योजना के लाभार्थियों को अप्रेंटिस करार तथा रोजगार पत्र प्रदान दिए गए

सूरत। शहर के भरथाणा स्थित कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अप्रेंटिस भर्ती मेला में मुख्यमंत्री विजय भाई रुपाणी के हाथों 27 दिसंबर की सुबह 10:30 बजे लाभार्थियों को अप्रेंटिस करार तथा रोजगार पत्र प्रदान किया गया। समारोह में श्रम एवं रोजगार मंत्री दिलीप कुमार ठाकोर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वर भाई परमार तथा आरोग्य राज मंत्री किशोर भाई कनणी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 23 सौ अप्रेंटिस लाभार्थी उपस्थत रहे। इस कार्यक्रम में स्कूल छोड़कर जा चुके आईटीआई डिप्लोमा डिग्री धारक उम्मीदवारों को निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक इकाइयों में जॉब प्रदान करने तथा ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एसएससी, एचएससी ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रैजुएट, टेक्निकल आईटीआई, डिप्लोमा धारक युवाओं तथा युवतियों को प्रोत्साहित करते हुए अपने हाथों से अप्रेंटिस करार तथा रोजगार पत्र प्रदान किया । इस अवसर पर रोजगार तथा प्रशिक्षण विभाग के नियामक सुप्रीत सिंह गुलाटी सहित शहर के सांसद तथा विधायक भी उपस्थित रहे।

औद्योगिक इकाइयों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए: विजय भाई रुपाणी

सूरत के सरसाणा स्थित कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अप्रेंटिस भर्ती मेला में अपने प्रासंगिक उद्बोधन में राज्य के मुख्यमंत्री विजय भाई रुपाणी ने कहा की औद्योगिक इकाइयों में स्थानीय लोगों को रोजगार देने की पहल करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्किल डेवलपमेंट तथा इंप्लॉयमेंट सेक्टर में गुजरात का सर्वोकृष्ट स्थान है। राज्य सरकार 85ज स्थानीय लोगों को रोजगार देने में सक्षम है। राज्य के बड़े औद्योगिक इकाइयों में भी सरकार के इस नीतियों नियम को कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया की रोजगार के क्षेत्र में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए।

उत्तर भारत में बर्फीली हवाओं के चलते दक्षणि गुजरात में कातिल ठंडी हवाओं का असर

सूरत। जम्मू कश्मीर तथा उत्तर भारत में पढ़ रही कातिल ठंडी के चलते सामग्र राज्य में ठंडी का प्रकोप बड़ा है गुरुवार को राज्य में सबसे ज्यादा रिकॉर्ड ब्रेक ठंडी नवसारी में दर्ज की गई जहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री दर्ज किया गया सूरत मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार का दिन इस साल के सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा गुरुवार का अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री दर्ज किया गया हवा में नमी की मात्रा 77ज्तथा हवा का दबाव 1018. 2 मिली बार दर्ज किया गया उत्तर दिशा की ओर से चलने वाली ठंडी हवाओं के कारण तापमान में 5 डिग्री की गिरावट होने से शहर में हिल स्टेशनों जैसे सर्दी का अनुभव किया गया नवसारी मौसम विभाग के अनुसार नवसारी कृषि यूनिवर्सिटी सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार को नवसारी का न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो 21वीं सदी मैं आज तक का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया नवसारी के ग्रामीण इलाकों में अत्यधिक ठंड होने के कारण लोग पूरे दिन घरों में दुबके रहे वलसाड मौसम विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार को वलसाड का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री दर्ज किया गया जो गुरुवार के मुकाबले 2 डिग्री कम रहा गुरुवार की सुबह दर्ज की गई तापमान के रिकॉर्ड के अनुसार राज्य में सबसे ज्यादा ठंडी नवसारी में 4.5 डिग्री तथा उसके बाद गांधीनगर में 6.8 डिग्री दर्ज किया गया उत्तर की ओर से चलने वाली ठंडी हवाओं ने समग्र दक्षणि गुजरात में ठिठुरन का माहौल पैदा कर दिया हवामान विभाग द्वारा दी गई चेतावनी के अनुसार दक्षणि गुजरात में रिकॉर्ड ब्रेक ठंडी पड़ रही है और आने वाले एक दो दिनों तक इसके बने रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है

सूरत। वनिता विश्राम में अध्ययनरत छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुता लाने के उद्देश्य से गुरुवार को वनिता विश्राम ग्राउड अठवा गेट पर शारीरिक व्यायाम का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें वनिता विशअराम ट्रस्ट चालित विविध शैक्षणिक संस्थाओं में अ्ययनरत 2 वर्ष से 22 वर्ष तक की छात्राओं को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 9000 छात्राओं ने भाग यिा। बैंड बाजे की ता पर शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ छात्राओं ने विधि आसनों तथा व्यायाम के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकतापैदा करने की कोशिश की।

बारडोली के मोटा गांव में दो मंदिरों तथा एक जनरल स्टोर में चोरी

सूरत। बारडोली तालुका के मोटा गांव में दो मंदिरों तथा एक जनरल स्टोर की दुकान में चोरी कर अज्ञात चोर फरार हो गए। चोरों ने दोनों मंदिरों तथा जनरल स्टोर से नगदी तथा गुटखा आदि लगभग 75,000 का सामान चोरी कर फरार हो गए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार बारडोली तालुका के मोटा गांव में रहने वाले रविंद्र भाई पटेल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है की बुधवार की रात महालक्ष्मी माता मंदिर का ताला तोड़कर चोर अंदर प्रवेश कर गए तथा कौशल भाई गज्जर की दुकान से रुपया 7000 कुल 75,000 का मुद्दा माल चोरी कर चोर फरार हो गए।

सूरत। सूरत महागनर पालिका के मंजुर प्लान से अलग हट कर निर्माण हो बिल्डींगों के विरुद्ध किसी प्रकार की कार्यवाही अधिकारी करते है या नहीं ?

मैनेजर तथा उसके पुत्र का अपहरण मामले में शिकायत दर्ज

सूरत। साड़ी के व्यापारी यहां काम करने वाले मैनेजर लाखों रुपए के गमन मामले में अडाजन पुलिस ने मैनेजर तथा उसके पुत्र का अपहरण कर ढाई लाख रुपए की कार तथा 500000 का चेक छीन लेने वाले व्यापारी के विरुद्ध अडाजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। अडाजन पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार आरोपी प्रवीण करतार चंद कल्याणी राकेश चंदूलाल शाह निवासी मंडप टावर तारवाडी, गुलशन उर्फ सनी करतार चंद कल्याण निवासी बेजन वाला कंपलेक्स मारवाड़ी घनश्याम कतार चंद कल्याणी निवासी परशुराम गार्डन राहुल दीपक जतिन आणि निवासी पंचामृत कंपलेक्स पाल रोड के यहां मैनेजर के तौर पर काम करने वाले राकेश कुमार जानवर भंसाली निवासी संत टावर राजहंस कंपलेक्स पाल रोड ने लाखों रुपए की हेराफेरी की थी जिसके लिए रुपए वसूलने के लिए राकेश कुमार तथा उसके पुत्र ने अपहरण कर फिरौती मांगी आरोपी राहुल ने अपने को पुलिस वाला बताकर 2,50,000 कीमत की कार तथा 50,0000 का चेक लेकर उसको छोड़ कर चला आया। यह घटना 17 अप्रैल 2017 की है जिसकी शिकायत फरियादी ने अडाजन पुलिस में डेढ साल बाद दर्ज कराई है, मामले की जांच पुलिस इंस्पेक्टर एम वी तड़वी कर रहे हैं।

बरछा में कपड़े की दुकान में चोरी

सूरत। शहर के वराछा क्षेत्र स्थित रचना सर्कल के निकट वाड़ीनाथ सोसायटी स्थित एक फैशन की दुकान से 21,500 रुपए नगदी चुरा कर अज्ञात चोर फरार हो गए। घटना के संदर्भ में अज्ञात चोरों के विरुद्ध पुलिस में चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार भावनगर जिला के मूलवतनी तथा वराछा में रचना सर्कल के पास स्थित वाड़ीनाथ सोसायटी में नितिन भाई नारायण भाई हिंगू रहते हैं । वरछा के रचना सर्कल के पास वाड़ीनाथ सोसायटी में उनकी एक फैशन कपड़े की दुकान है। बुधवार की रात दुकान की पीछे की दीवार में लगे पत्थर की जाली तोड़कर चोर दुकान में घुस गए और दुकान की काउंटर में रखा हुआ 21,500 नगदी चुरा कर फरार हो गए। पुलिस ने नितिन भाई की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

सरथाणा में एक ही मकान को दो लोगों को बेचकर 10 लाख की ठगी

सूरत। सरथाणा के गोविंद पार्क के एक मकान का सौदागर 10 लाख रुपए लेकर साटाखत बना देने के बाद मकान दूसरे को बेच देने वाले मकान मालिक के विरुद्ध मकान खरीदने वाले ने सर थाना पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार वराछा के इलेक्ट्रोलिसिस टैगोर कॉलोनी में रहने वाले दिनेश भाई संग्राम भाई खटाना ने आरोपी किशोर जी भंडारी ने गोविंद पाल में मकान नंबर ए/ 20 का सौदा 2500000 रुपए में किया था जिसके लिए टोकन के तौर पर 1000000 रूपया भी दे दिया था। उसके बदले आरोपी किशोर भाई भंडारी ने मकान की बिक्री के लिए साठेखत बना करके भी दे दिया था किंतु इसके बाद आरोपी ने अपना मकान दूसरे को बेच कर फरियादी को ना बेचकर दूसरे को बेच कर विश्वासघात तथा ठगी की है पुलिस ने फरियादी की तहरीर पर धोखाधड़ी तथा ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोरगेज में रखी गई संपत्ति को बेचकर 3000000 की ठगी

सूरत। अडाजन के जोगाणी नगर की एक मिलकत बैक मे मोरगेज होने के बावजूद एक करोड़ मे सौद कर 30 लाख रूपये टोकन के रूप में लेकर ठगी करनेवाले के विरूद्ध शिकायत दज कराई गई है। अडाजन पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार हनी पार्क रोड, ग्रीन वैली अपार्टमेंट में रहने वाले आनंद कुमार बालू भाई चासिया ने आरोपी प्रमोदचंद्र, छोटूभाई देसाई, गीताबेन प्रमोदचंद्र, आशिता बेन नीरू भाई के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है पुलिस को किए शिकायत के अनुसार अडाजन के जोगाणी नगर के मकान नंबर 12242 वाली प्रॉपर्टी पर नीरव प्रमोद भाई देसाई ने व्यापार के लिए बैंक ऑफ इंडिया से लोन ली थी जिस की जानकारी मिलने पर फरियादी को पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है तब उसने आरोपी से टोकन के रूप में दिए गए 3000000 मांगने शुरू कर दिए किंतु आरोपी ने रुपए देने से इंकार कर दिया जिस पर फरियादी ने आरआरबी के विरोध धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। हनी पार्क रोड, ग्रीन वैली अपार्टमेंट में रहने वाले आनंद कुमार बालू भाई चासिया ने आरोपी प्रमोदचंद्र, छोटूभाई देसाई, गीताबेन प्रमोदचंद्र, आशिता बेन नीरू भाई के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है । पुलिस में फरियादी की तहरीर पर धोखाधड़ी तथा ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)